मनोज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या: 127 मूल्य: 16.00
सफेद चूहा
राम-रहीम
STUDIO KADAM
Vinod Yadav

लेखक: महेन्द्र जैन   संपादक: संदीप गुप्ता   चित्रांकन: कदम स्टूडियो

उसी रात काली टेकरी के सबसे गन्दे इलाके में स्थित इस टीन शेड के पीछे।
चल... जल्दी से माल खाली कर।
जल्दी काहे की है काणे। इं. तलवार के मुंह पर दस हजार की गड्डी मारी है। अब डर काहे का।

एकाएक चौंक पड़ा वह बदमाश।
मुझे वहां पर कोई खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है।
क... कौन है

एकाएक तीव्र रोशनी से नहा गए दोनों।
ओय... ओय। यह लाइट किसने मारी।
मैंने!

र... राम!
रहीम!
हां। हम ही हैं प्यारो। चल रहीम... हो जा शुरू।

कुछ तो राम-रहीम की मौजूदगी ने ही बदमाशों की हवा खिसका दी थी।
ठाक
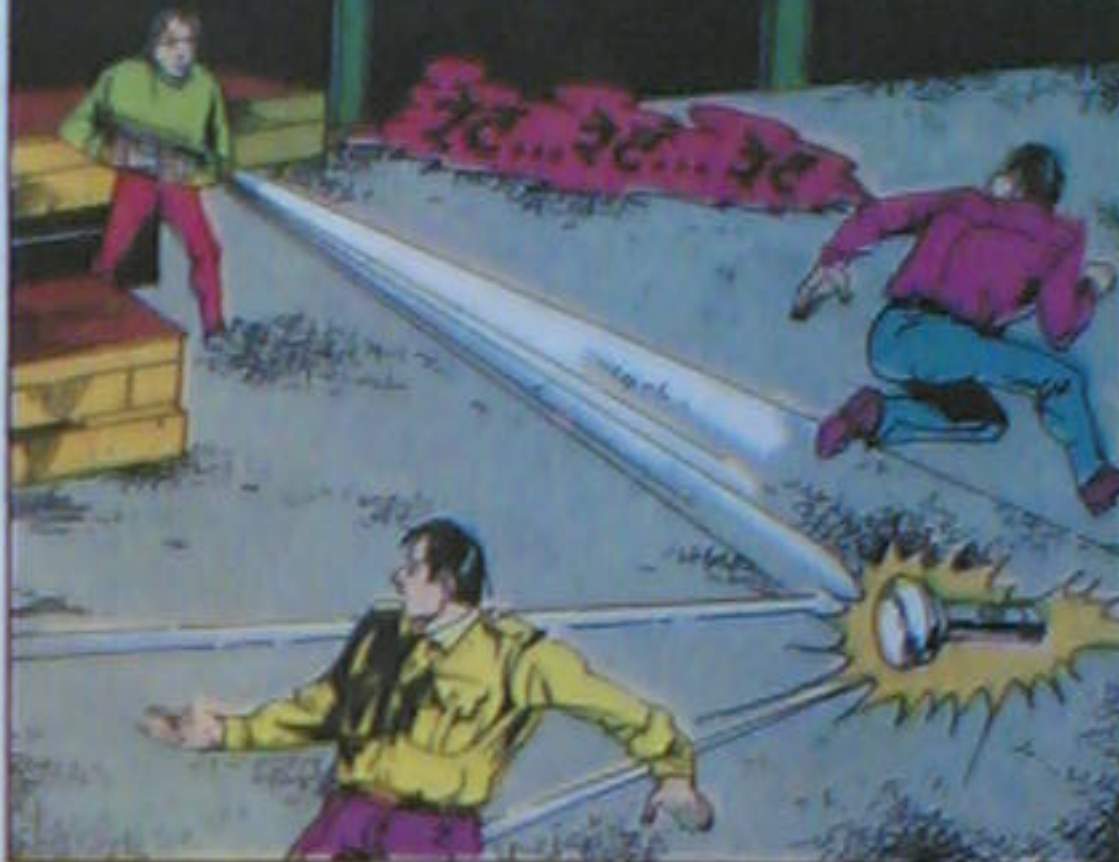
रही सही कसर उनकी की स्टाइल फाइट ने पूरी कर दी।
मैं इसकी आंखों पर लाइट मारता हूं। तू इसकी धुनाई करता रह।

फिर भी एक बदमाश ने थोड़ी बहादुरी दिखा ही दी।
रैट... रैट... रैट

मगर मुकाबला जब राम-रहीम जैसे प्रतिद्वंद्वियों से हो...
धड़ाक
ठाक

...तो फिर बदमाशों की एक नहीं चलती।
इन्हें माल समेत ट्रक में भर कर काली टेकरी थाने ले चलो।

अरे... अरे! कहां घुसे चले आ रहे हैं आप। थोड़ी बहुत पुलिस की शर्म लिहाज है कि नहीं?

तुम्हारी नाक के नीचे जुर्म हो रहा है और तुम यहां चैन की नींद सो रहे हो।

जुर्म... हं. तलवार के इलाके में जुर्म! नहीं... नहीं, तुम्हें अवश्य कोई गलतफहमी हुई है।

कैसा इंस्पेक्टर है रे तू। ये चार-चार धतूरे के बीज तेरे सामने बेहोश पड़े हैं... और तू कहता है कि जुर्म नहीं हुआ। बाहर ट्रक में माल भी पड़ा है।

ओह! इन लोगों के कारण ही हिन्दुस्तान की महान पुलिस बदनाम हो रही है। मैं फौरन केस दर्ज करके फाइल कमिश्नर साहब तक पहुंचाता हूं।

वह जो भी हो। पर उसने कानून की बड़ी मदद की है। राम, आज देश को ऐसे ही लोगों की जरूरत है।

राजनगर पब्लिक स्कूल की छुट्टी होते ही बच्चे अपने-अपने घरों की तरफ चल पड़े।
कल रविवार है। मेरे घर आओगी न एलिस?
नहीं आ सकती सुकून। तुम्हें तो मालूम है कि मैं जिस मौत के किले में रहती हूं वह तांडव की कोठी है...

...और वहां तांडव के आदेश के बिना पत्ता भी नहीं हिलता।
मेरी मां उस कोठी में हाउस कीपर का काम करती है ...और जो भी नौकर उस कोठी मे काम करता है वह एक प्रकार से वहां बन्धक है।

मैं तुम्हारा दर्द समझती हूं एलिस। मेरे पापा पुलिस इंस्पेक्टर हैं। मैं उनसे कहूंगी। वे तांडव की उस लंका को जला कर राख कर देंगे।
शSSSSS

देखो। मुझे लेने के लिए तांडव की गाड़ी आ गई है। यदि कार में बैठे बदमाशों को मालूम पड़ गया कि मैं तांडव के खिलाफ उल्टा-सीधा बक रही थी तो वे तांडव से जा कहेंगे।
जानती हो सुकून। तांडव ने मुझे इसी शर्त पर स्कूल भेजना शुरू किया है कि यदि मैं कहीं भागी या मैंने उसके बारे में पुलिस को बताया तो वह मेरी मां को मार डालेंगे।

एलिस के गाड़ी में बैठते ही गाड़ी हवा हो गई।
बेचारी ऐलिस! काश... मैं इसकी कोई मदद कर सकती। मैं पापा से अवश्य कहूंगी।

पापा को ऐलिस की मदद करनी ही चाहिए।

विचारों में डूबी सुकून को पीस कर रख दिया होता उस ट्रक ने... यदि ऐन वक्त पर वे दो हाथ उसे उठा न लेते।
जूंSSSSS

साले SSSSS ट्रक चला रहा था या हवाई जहाज। ठहर तो...
जाने दो रहीम। यह बेचारी डर के मारे बेहोश हो गई है। पहले इसे इसके घर पहुंचाते हैं।

इधर काली टेकरी थाने में।
राम-राम वर्दी वाले बाबू।
आइए साहब... आइए। आपके आने से पुलिस के भाग्य जाग गए।

ई सबका है वर्दी वाले बाबू? हमने तुम्हारे मुंह पर दस हजार की गड्डी भाड़ झोंकने के लिए थोड़े मारी थी। हमार माल कैसे पकड़ा गया।

भाई साहब। हमने रिश्वत लेकर तुम्हारे गोदाम तक माल सही सलामत पहुंचने की बात कही थी। अब वहां से माल पर राम-रहीम ने पंजा मार दिया तो उसमें हमारा क्या दोष?
हमें हमारा माल व आदमी वापस चाहिए।

कुछ नहीं हो सकता। फाइल तैयार होकर कमिश्नर साहब के पास पहुंच गई है। सॉरी।
ठीक है। चलता हूं वर्दी वाले बाबू। आखिर तुमसे बिगाड़ थोड़े ही करना है। आगे भी तो काम निकालना है।

समझदार हो, जो पुलिस से नहीं टकराए।

इधर सुकूल के स्कूल बैग में लगी नेम चिट पर से उसका नाम व पता नोट करके राम-रहीम उसके घर पहुंचे।
क्या हुआ मेरी बच्ची को?
डरने की कोई बात नहीं। थोड़ा सा पानी लाइए।

ठण्डे पानी के छींटों ने सुकून की मूर्छा को दूर किया!
मम्मी!
म... मेरी बच्ची... मेरी सुकून!

आपका बहुत-बहुत शुक्रिया भइया।
यह तो हमारा फर्ज था बहन।
वैसे मेरा नाम काजल है। मेरे पति इस शहर के काली टेकरी थाने में इंस्पेक्टर हैं।

अ... आप इं. तलवार की बीवी हैं?
हाँ... क्या आप उन्हें जानते हैं?
अच्छी तरह! ठोक-बजा कर।

क्या मतलब?
क... कुछ नहीं! इसकी तो मजाक करने की आदत है।

मम्मी-मम्मी! देखो न 'सुरंगा' ब्रेड ही नहीं खा रहा है।
ओह! लगता है शायद तुझसे रूठ गया है।

बहुत प्यारा चूहा है।
हां। सुकून इसे अपने छोटे भाई की तरह रखती है। सुकून का कोई भाई नहीं है न।

सुकून ने इसे अपने हाथों से ट्रेन्ड किया है।
मगर मम्मी। आपको तो दो भाई मिल गए। एक राम, दूसरा रहीम। अब मैं भी इन्हें आज से मामा कहूंगी।

हा...हा...हा... जरूर मेरी शैतान भांजी।
देखा मामा! चूहा भी खुश हो गया।
चींऽऽऽ चींऽऽ

तांडव
राजनगर के अपराध जगत में आज जिसके नाम का डंका बजता था।
भाई जी... भाई जी...
अबे कुछ बोलेगा भी... या भाई जी भाई जी गाता रहेगा।

पांच करोड़ का मामला है भाई जी। ठीक तीन दिन बाद नेशनल बैंक की राजनगर शाखा से पांच करोड़ रुपया दिल्ली स्थित बैंक की मुख्य शाखा में ले जाया जा रहा है।
तुझे कैसे मालूम पड़ा?
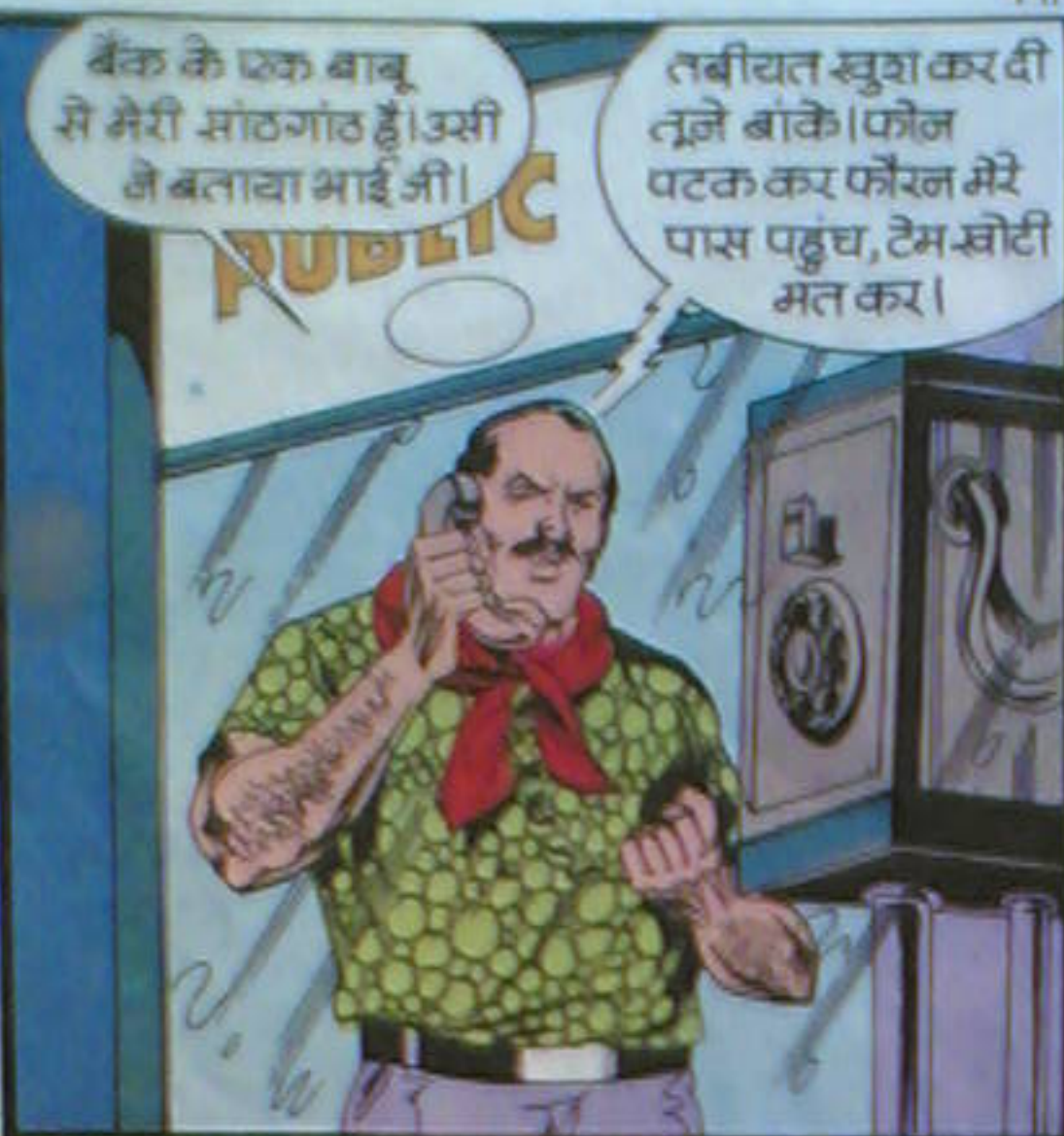
बैंक के एक बाबू से मेरी सांठगांठ है। उसी ने बताया भाई जी।
तबीयत खुश कर दी तूने बांके। फोन पटक कर फौरन मेरे पास पहुंच, टैम खोटी मत कर।
PUBLIC

रिसीवर को हुक पर टांग कर अभी बांके नामक वह बदमाश पलटा ही था कि-
त...तुम?

कर लिया फोन अपने भाई जी को?
हे...हे...हे... तुम तो राजनगर के नम्बर वन रिश्वतखोर इंस्पेक्टर हो। तुमसे भला क्या डरना।

ठीक कहा तुमने। चोर-पुलिस भाई-भाई, मगर तुम्हारा बोलने का लहजा गलत है।
धड़ाक

मार-मार कर मुर्गा बना दिया था इं. तलवार ने उसे।
बोल कुकड़ू कूं
कुकड़ू कूं

बोल... अब इस लहजे में बात नहीं करूंगा।
नहीं करूंगा... किसी भी लहजे में बात नहीं करूंगा।

शाबाश... तू मुझे बहुत प्यारा लगा। चल... भाई जी... के पास चलते हैं।

हं. तलवार को बांके के साथ आया देख कर चौंक पड़ा था तांडव।

त... तुम।

क्या करूं भाई जी। मैं हरियाणा की सबसे प्रसिद्ध नस्ल की गाय हूं। जहां नरम-नरम घास देखी, वहीं मुंह मारने पहुंच जाता हूं।

काम की बात कर, टेम नहीं है मेरे पास।

हुजूर! सुना है कि आप पांच करोड़ की रकम पर हाथ फेरने आ रहे हैं...

...नहीं... फेरिए ...जरूर फेरिए आखिर आप ही हाथ नहीं फेरेंगे तो कौन फेरेगा... मगर हुजूर...

...बाल बच्चेदार आदमी हूं। आप जैसे दान-दाताओं के रहमोकरम से ही हमारे घर में चूल्हा जलता है। सरकार की तनख्वाह पर तो हमारे घर में मोमबत्ती भी न जले।

आ गए ना अपनी असली औकात पर।
ज्यादा नहीं, बस पांच लाख। एक करोड़ का एक लाख। पांच करोड़ का पांच लाख।
और यदि मैं तुम्हें इसी समय गोली मार दूं तो?
आप मजाक करते हैं हुजूर। मैं पहले ही पूरा बंदोबस्त करके आया हूं। इधर मैं मरूंगा, उधर आपके काले कारनामों की पुलिस फाइल...
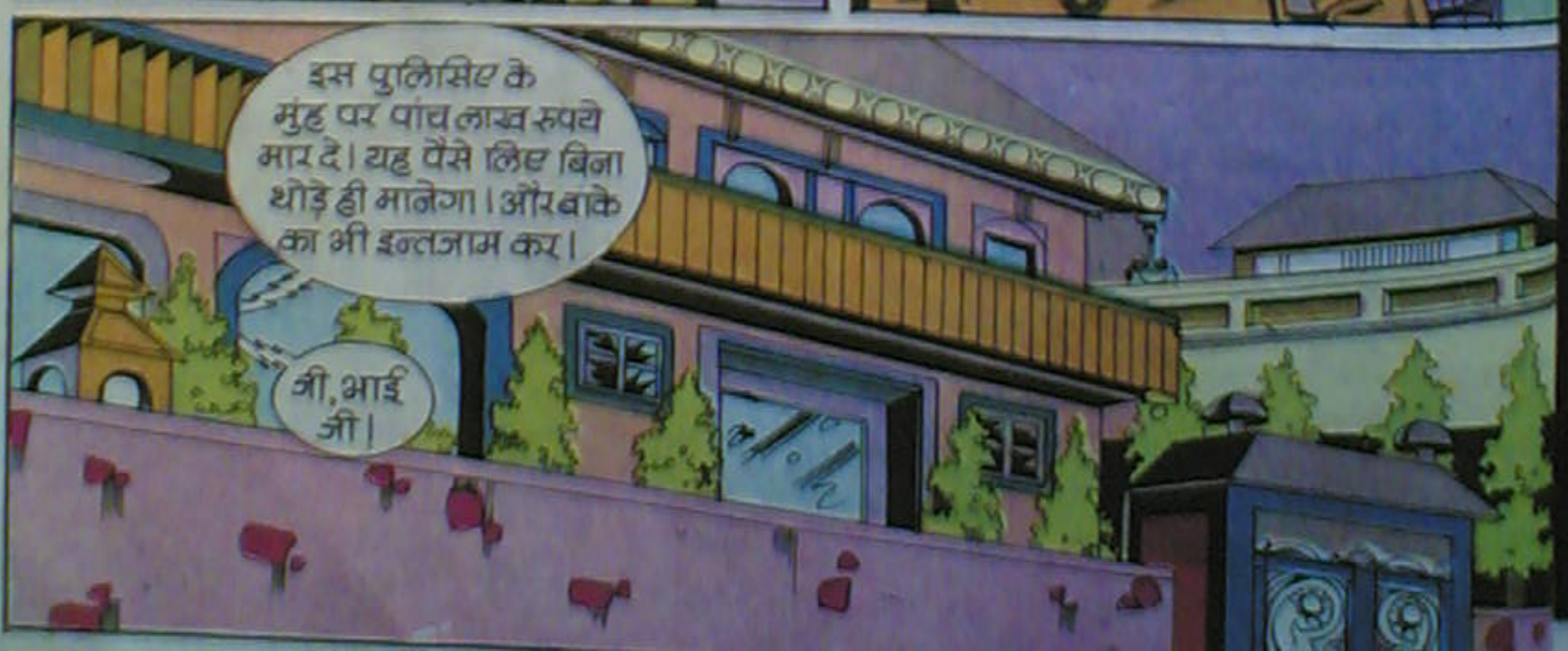
कुछ समय पश्चात रेल की पटरियों के निकट बांके की कटी हुई लाश पड़ी थी।
तांडव के दरबार में यही इंसाफ था। आखिर बांके के जरिए ही तो लूट की खबर इं. तलवार तक पहुंची थी।

इधर राम के घर पर!
हैलो, राम हीयर
ध्यान से सुनो राम! नेशनल बैंक की राजनगर शाखा से दिल्ली शाखा में ट्रांसफर की जा रही पांच करोड़ की रकम लूटने वाली है।
और यह काम ठीक तीन दिन बाद तांडव के आदमियों द्वारा होगा। मगर लूट किस जगह पर होगी... यह मुझे मालूम नहीं।
मगर तुम हो कौन? पहले भी कई बार तुम हमें इस तरह फोन करके कानून की मदद करते रहे हो।
मैं नारदमुनि हूं।
नारदमुनि!
हां! वही नारदमुनि... बीणा बजाने वाला... इधर की खबर उधर पहुंचाने वाला... नारायण... नारायण!

रकम के बारे में खबर तुम्हारे ही बैंक के किसी कर्मचारी ने तांडव तक पहुंचाई है।

तब तो हमें फौरन उस गद्दार को पकड़ कर जेल में डालना चाहिए। या फिर रकम को किसी और दिन, दिल्ली ट्रांसफर कर दिया जाए।

इन दोनों ही बातों से कोई फायदा नहीं मैनेजर साहब।
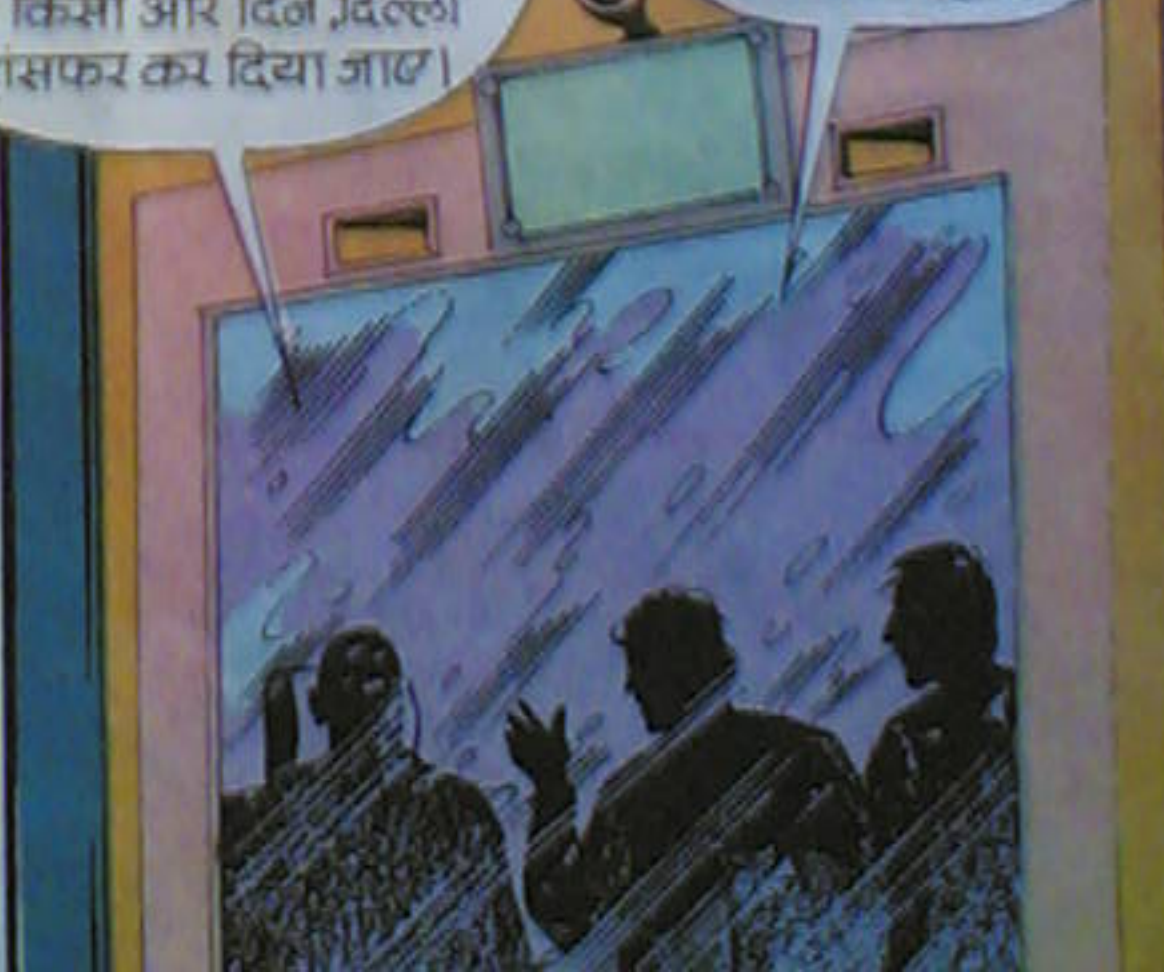
अव्वल तो उस कर्मचारी का पता लगाने में समय लगेगा। और यदि उसे पकड़ भी लिया तो तांडव सावधान हो जाएगा और फिर वह लूट की योजना ही कैंसिल कर देगा।

और यदि रकम दिल्ली रवाना नहीं हुई तो हम तांडव की गर्दन तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे।
आखिर क्या करना चाहते हो तुम?

राम धीरे-धीरे मैनेजर केशव सक्सेना को अपनी प्लानिंग बताता चला गया।

इधर-
रकम की लूट बहुत आसान लग रही थी भाई जी। मगर राम-रहीम के बीच में कूद पड़ने से अब हमारी योजना गड़बड़ाने लगी है।

भटनागर! तू मेरा दायां हाथ है... और बातें दुश्मनों जैसी कर रहा है। अरे... लूट का असली मजा तो अब आएगा। तू मुझे रकम की सुरक्षा के इन्तजाम बता।

रकम एक बख्तरबन्द वैन में रखी होगी। वैन के दरवाजे पर एक आटोमैटिक लॉक सिस्टम है। जिसे खोलने का कोड नम्बर हमें मालूम पड़ चुका है।

तो फिर लफड़ा काहे का है?
लफड़ा पूरा है भाई जी। दरअसल उस लॉक सिस्टम का सम्बन्ध वैन के स्टेयरिंग से है।

यदि वैन के ड्राइवर को कोई खतरा महसूस हुआ तो वह फौरन स्टेयरिंग पर लगा बटन दबा देगा। जिससे दरवाजे को खोलने वाला कोड नम्बर गड़बड़ा जाएगा। और दरवाजा जाम हो जाएगा।
वैन की बॉडी इतनी मजबूत है कि उसे हथौड़े से भी तोड़ा नहीं जा सकता। और यदि बारूद द्वारा तोड़ने की कोशिश की गई तो वैन के अन्दर रखी रकम भी जल कर खाक हो जाएगी।
1 2 3 4
1 2 3 4
1 2 3 4

फिर दरवाजा कैसे खुलेगा?
मालूम नहीं... हो सकता है, बैंक वालों को लॉक खोलने का नया कोड नम्बर मालूम हो। जिसकी मालूमात हमें नहीं है।
यह तो बुरी खबर है।
इसके अलावा ड्राइवर के केबिन में एक हथियार-बन्द गार्ड भी मौजूद होगा और...
...रकम की सुरक्षा के लिए स्वयं राम-रहीम वैन के पीछे-पीछे एक जीप में सवार रहेंगे।
फिर भी रकम लुटेगी। वह भी तांडव के दिमाग से।
शनिवार।
बैंक से दोपहर ठीक बारह बजे पांच करोड़ की रकम एक बख्तरबन्द वैन में रवाना हुई।
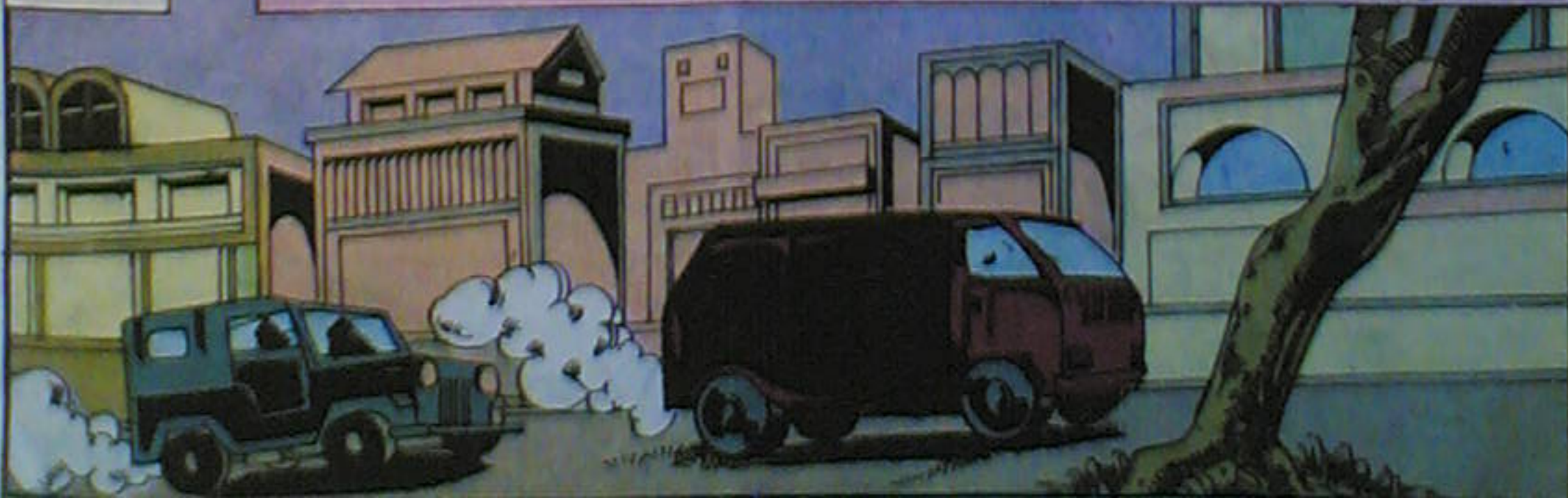
अब तक तो सब कुछ ठीक चल रहा है राम।
अभी वैन राजनगर में ही है। हो सकता है तांडव ने रकम को लूटने के लिए कोई सुनसान जगह चुनी हो।

कुछ दूर एक सुनसान सड़क पर पहुंचकर एकाएक वैन ड्राइव कर रहा ड्राइवर बौखलाया।
ओह! आगे एक ट्रक रास्ता रोके खड़ा है। जिसका पिछला हिस्सा सड़क से लग कर रैम्प का काम कर रहा है। यह तो साफ-साफ लूट का संकेत है।

तूने ठीक कहा प्यारे वैन को रोकना मत। इसे सीधा रैम्प पर चढ़ा कर ट्रक के भीतर ले चल।
कौन हो त... तुम?

आई जी का आदमी हूं। असली गार्ड तो कल से ही आई जी के केंके हरे-हरे नोटों पर हाथ फेर रहा होगा।
मेरे रहते तुम्हारी योजना पूरी नहीं होगी कमीने।

मगर ड्राइवर से ज्यादा फुर्तीला साबित हुआ वह गार्ड।
धांय

गोली ने ड्राइवर का भेजा उड़ा दिया था। मगर मरते-मरते भी ड्राइवर का हाथ स्टेयरिंग पर लगे बटन पर आ टिका था।

अगले क्षण ऑटोमैटिक लॉक सिस्टम के कोड नम्बर गड़बड़ा चुके थे।
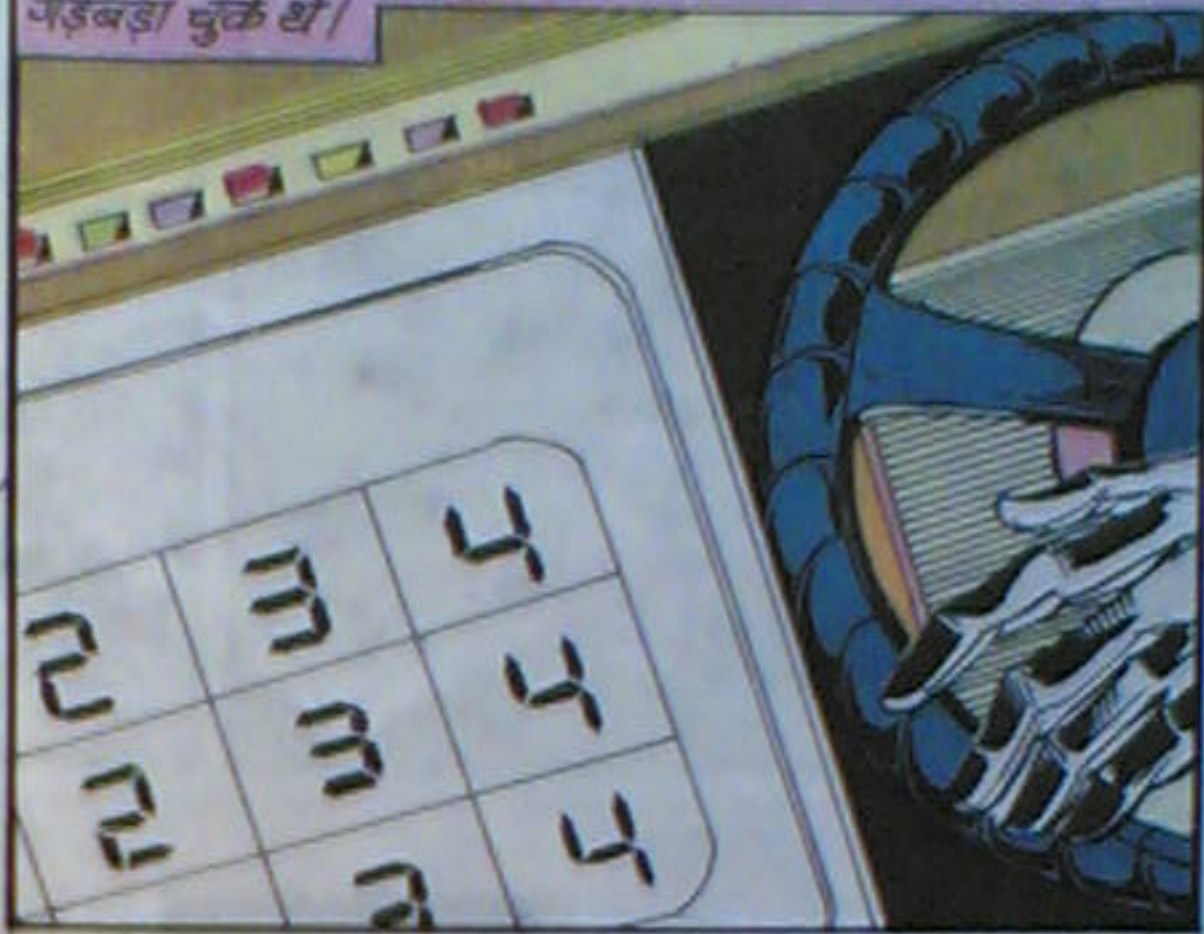
ड्राइवर की लाश एक ओर धकेल कर तांडव के आदमी ने स्वयं स्टेयरिंग संभाल लिया।
कम्बख्त। मरते-मरते भी गड़बड़ कर गया।

इधर गोली की आवाज ने राम-रहीम को चौंकाया था।
गोली चली है राम।
जीप को कौरन वैन की बगल में ले चलो।

इधर रहीम के पैर एक्सीलेटर पर दबे।

उधर किसी अज्ञात दिशा से जीप पर गोलियों की जैसे बौछार हुई।
तड़ड़ssssतड़ड़sss
ड़ड़sss ड़ड़sss ड़ड़sss

जीप के चारों टायर शहीद हो गए थे।

और जीप लहराती हुई एक पेड़ से जा टकराई।
भड़ाक

बादु राम - रहीम के अनुभव का ही कमाल था कि वे गोलियों की बौछार व चलती जीप से न जाने कब अपने आपको बाहर निकाल चुके थे।
उस पानी की टंकी की तरफ से आई है गोलियों की बौछार।
छोड़ूंगा नहीं शैतानों को।

इधर रहीम टंकी की तरफ भागा, उधर राम ने वैन की तरफ दौड़ लगाई।

मगर जब तक राज वैन तक पहुंचता... वैन ट्रक में समा चुकी थी।

अगले क्षण ट्रक, गोली की रफ्तार से भाग चला था।

घूSSSSSSSSS

इधर रहीम टंकी तक पहुंचने के लिए घुमावदार सीढ़ियां चढ़ता चला आ रहा था।

मंगू! वो साला इधर ही चढ़ता आ रहा है... और मेरी स्टेनगन में अब गोलियां नहीं बची हैं।

मेरी स्टेनगन भी खाली हो चुकी है। बंगू

तब तक वैन के हाथ से निकल जाने के बाद अब राज भी टंकी की सीढ़ियां चढ़ रहा था।

अब टंकी पर बैठे तांडव के आदमी ही बताएंगे तांडव का पता।
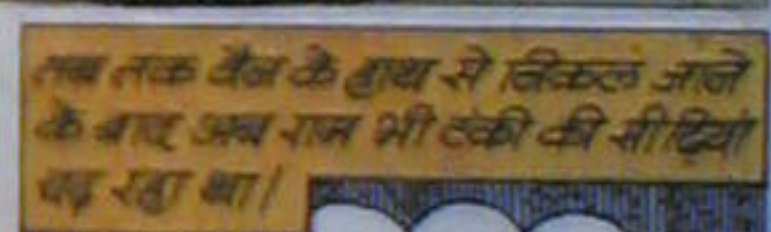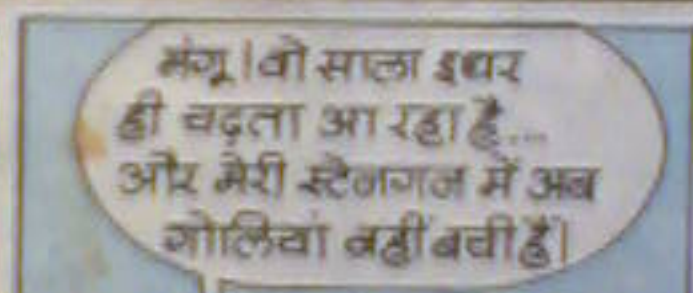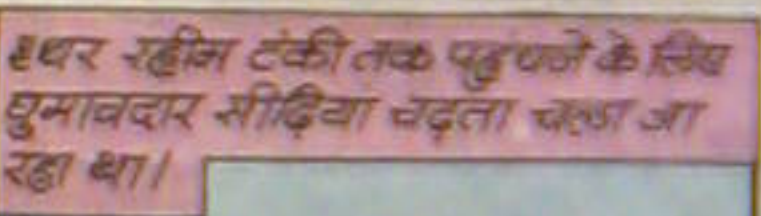
थोड़ी ही देर में दोनों पानी की टंकी पर थे।

तुम उधर से घेरो, मैं इधर से घेरता हूं।

ओ.के.

हां! लेकिन मैं राम-रहीम के हाथों में पड़ने की बजाय मर जाना पसन्द करूंगा। क्योंकि उनका टार्चर सहन करने की शक्ति मुझमें नहीं है।

फंस गया मंजू।

अगले क्षण मंजू टंकी से नीचे छलांग लगा गया।

हा...हा...हा... मैं तुम्हारे हाथ नहीं आऊंगा राम।

साला डॉज दे गया।
धांय

राम द्वारा चलाई गई गोली हांगू की दाईं जांघ में समा गई थी।

मगर किसी तरह एक टांग पर घिसटता हांगू अपनी मोटर बाइक पर सवार हुआ...

...और अगले क्षण मोटर बाइक गोली की रफ्तार सी भाग छूटी।
उफ्! रिवॉल्वर को भी अभी खाली होना था।
क्लिक

लानत है। एक सड़क छाप दादा हमारे हाथ से निकल गया।
ज्यादा दूर नहीं गया था। की कॉलोनी की एक कोठी में प्रवेश किया था उसने।
भड़ाक
आह ऽऽ
क...कौन
य...चीखना मत! मेरी मोटर बाइक एक पेड़ से टकरा गई है। और राम-रहीम मेरी जान के पीछे पड़े हैं। तुम्हारा घर सबसे पास दिखा, इसीलिए जान बचाने के लिए घुस आया।
मम्मी। यह तो वही बदमाश है, जो स्कूल में रोजाना एलिस को छोड़ने व लेने आता है।
त...तुम मुझे जानती हो?
छिः! तुम गन्दे हो। एलिस ने मुझे बताया था कि किस तरह तुम्हारे बॉस ने उन्हें बन्धक बना कर रखा हुआ है। मैं पापा से कहूंगी।
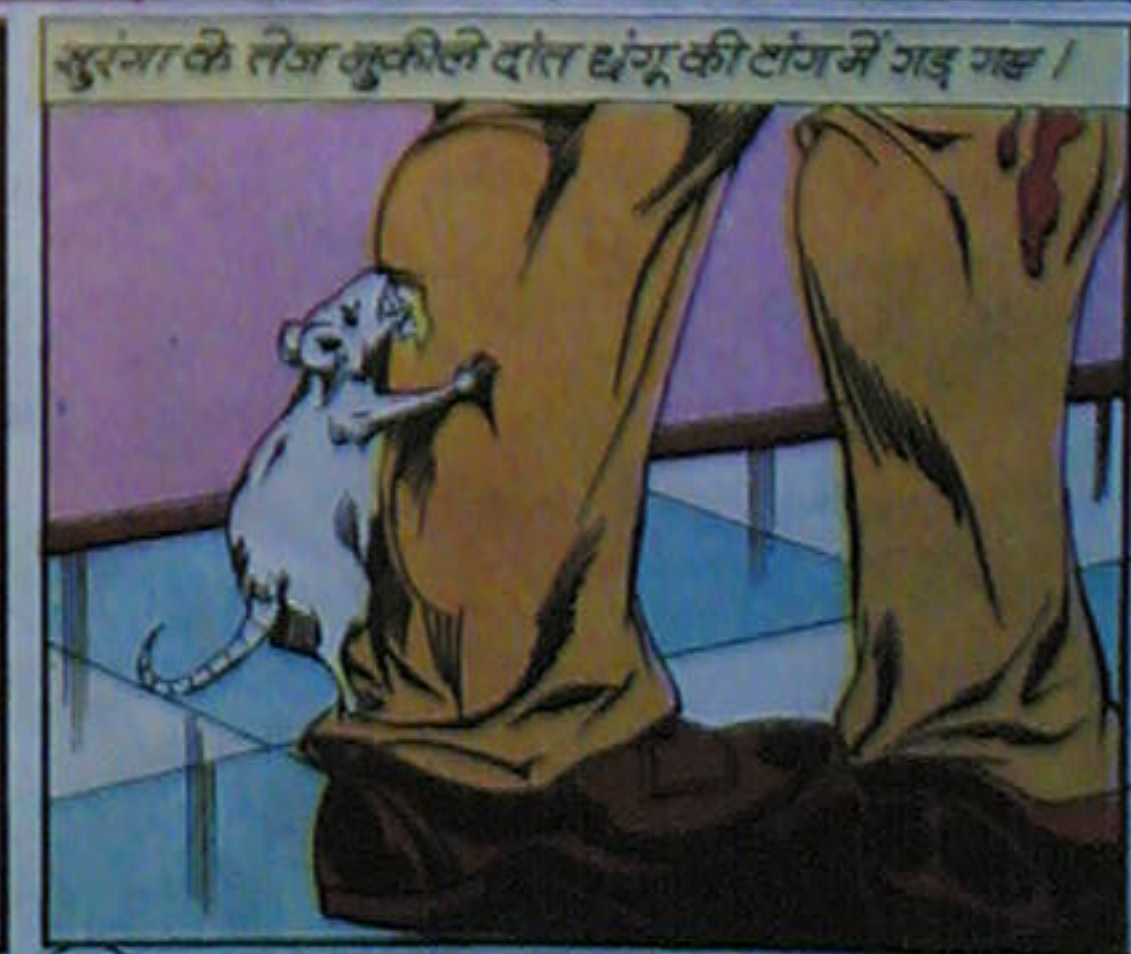
तू तो बहुत कुछ जानती है छोकरी। तेरा ज़िन्दा रहना भाई जी की सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

ठहर जा दुष्ट! मेरी बच्ची को छूने से पहले मैं तेरा खून पी जाऊंगी।
ओह! तो मैं पहले तेरा ही खात्मा करता हूं।

अगले क्षण घंगू के हाथ काजल के गले पर कस गए।
उफ़ssss उघsss गूं... गूंsss
मम्मी को बचाना होगा।

सुरंगा... हां, सुरंगा बचाएगा मम्मी को।
चीं... चीं...
चल सुरंगा। काट ले इसे।

सुरंगा के तेज नुकीले दांत घंगू की टांग में गड़ गए।

पीड़ा से बुरी तरह बिलबिला उठा धंगू!
आहsss

किन्तु जब तक धंगू काजल के गले से अपना शिकंजा हटाता, काजल लाश में बदल चुकी थी!
मम्मी!
ची...ची...
हा...हा...हा... तेरी मम्मी तो पहुंच गई स्वर्गलोक। अब तेरा नम्बर है छोकरी।

धड़ाक
आऽsss
चींsss चींsss

ऊंsss ऊंsss पापा। मैं पापा से कहूंगी।
बच गई। बड़ी जान है री तुझमें। खैर... एक बार फिर तुझे दीवार पर फेंकता हूं। अबकी बार शर्तिया तेरा भेजा फट जाएगा।

एक बार फिर मुकुल को दीवार पर दे मारने के लिए उठाया था धंनू ने।
पापा... पापा...
चींssss चींssss
मगर इस बार वह कामयाब नहीं हो पाया था।
धड़ाक
हथौड़े की चोट ने धंनू की खोपड़ी का कीमा बना दिया था। अपने ही खून में नहाया धंनू ड्रैकुला की भांति बड़ा भयानक लग रहा था।
मुकुल... मेरी बच्ची।
आह! पापा... देखो, उसने मम्मी को मार डाला।
तुझे कुछ नहीं होगा मेरी बच्ची... मैं तुझे अस्पताल ले चल रहा हूं।
तांडव को मत छोड़ना पापा... एलिस को उसकी कैद से आजादी भी दिलवाना।

पागलों की भांति मोटर बाइक दौड़ा रहा था तलवार।

अब सुरंगा तो बेचारा अकेला रह जाएगा न पापा। ऐसा करना... उसे मेरे राम मामा को सौंप देना।

दनदनाते हुए इं. तलवार की मोटर बाइक अस्पताल में घुसी।

डॉक्टर... नर्सेज! कहां मर गए सब के सब... मेरी सुन्कू मर रही है... बचाओ इसे।

इं. तलवार की दहाड़ ने हड़कम्प मचा कर रख दिया था अस्पताल में।

स्ट्रेचर लाओ जल्दी!

कुछ समय पश्चात-

आई एम सॉरी! हम सुकून को बचा नहीं सके।

नहींऽऽऽ

किसने तुम्हें डॉक्टर बना दिया, हां...? एक बच्ची को नहीं बचा पाए तुम? बोलो, क्या मुफ्त की तनख्वाह लेते हो?

कुछ बोलने से पहले अपनी गिरेबां में झांको इंस्पेक्टर। सारी काली टेकरी तुम्हें रिश्वतखोर कहती है।

मुझे रिश्वतखोर बोला। ले... यी ले।
अआऽऽऽ
अरे! वह डॉक्टर त्रिपाठी को पीट रहा है।

किसी तरह अस्पताल के स्टॉफ ने क्रोध की आग में भभकते इं. तलवार से डॉक्टर त्रिपाठी को बचाया।
साले... दोबारा मुझे रिश्वतखोर कहेगा... बोल कहेगा?
हजार बार कहूंगा इंस्पेक्टर।

मैं कमिश्नर साहब से तुम्हारे इस व्यवहार की शिकायत करूंगा। तुम पर मुकदमा ठोकूंगा।
यदि तुम्हारे जिस्म से यह वर्दी न उतरवाई तो त्रिपाठी नाम नहीं मेरा।

जल्दी ही–
इं. तलवार को गिरफ्तार करो।
तलवार की गिरफ्तारी नहीं तो अस्पताल में काम भी नहीं।

सर! हमने इं. तलवार को पूरे राजनगर में छान मारा। मगर वह छलावे की भांति गायब हो चुका है।
उसके घर पर ताला लगा है।
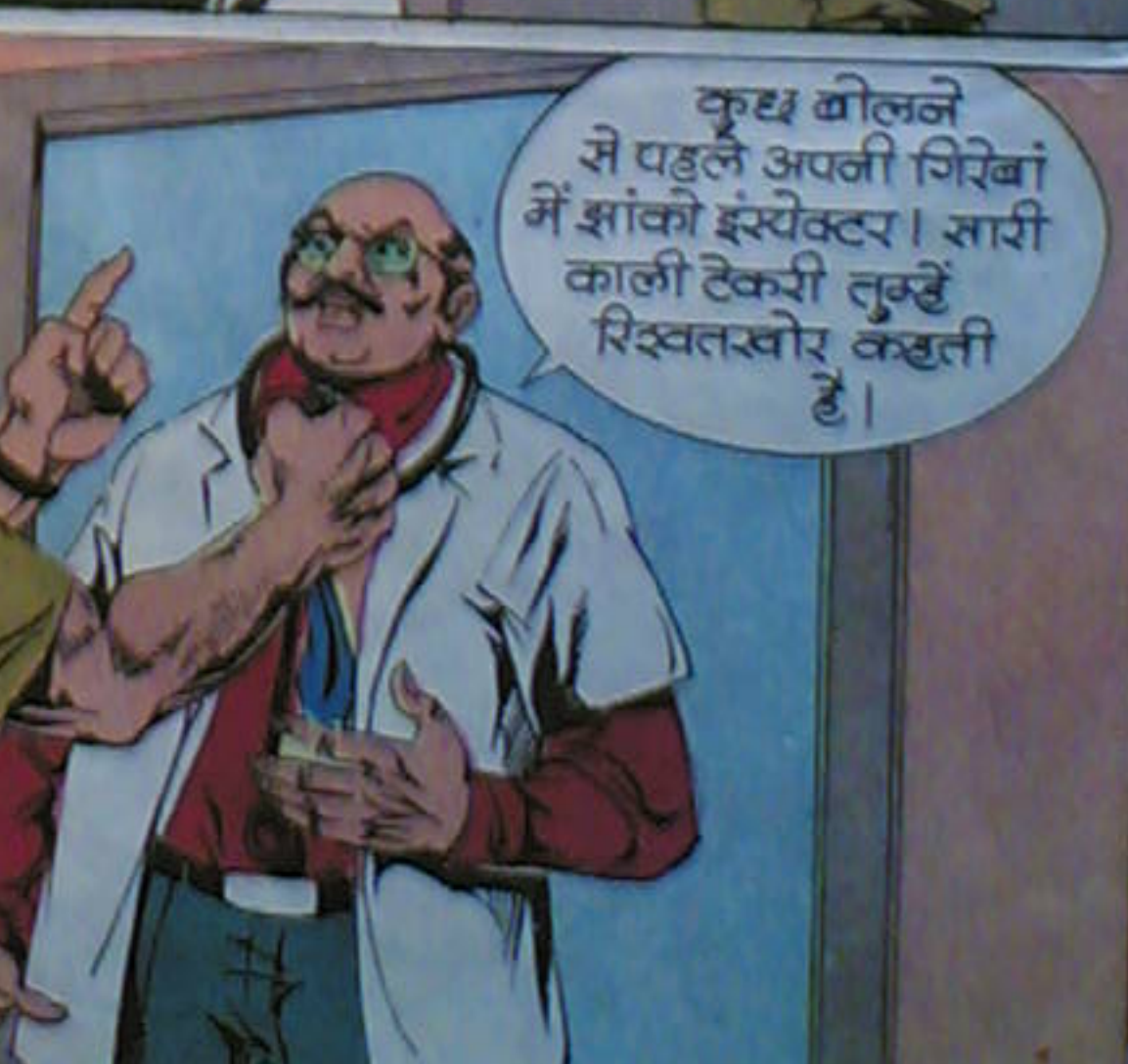
हूँ। इसका मतलब वह शहर से भाग गया। खैर... अखबार में पुलिस की तरफ से यह सूचना प्रकाशित करवा दी कि हमने इं. तलवार को न सिर्फ नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। बल्कि उसकी गिरफ्तारी के वारन्ट भी जारी कर दिए हैं।
राइट सर!
इधर-
नारदमुनि बोल रहा हूँ।
नारदमुनि तुम कहाँ से?
स्वर्गलोक से। काम की बात सुनो। वत्स।
रकम की लूट के बाद बड़ा भारी ड्रामा हो गया है। तांडव के एक आदमी धंगू ने इं. तलवार के घर में घुस कर उसकी बीवी व बच्ची को खलास कर दिया।
इं. तलवार उन दोनों की चिता को अग्नि देकर अकेला तांडव से टकराने निकल पड़ा है। मगर जाने से पहले वह एक आदमी के हाथों सुरंगा को तुम्हारे घर पहुंचा चुका है।
कमाल है। तुम इतना सब कुछ कैसे जानते हो?
क्योंकि उसकी बेटी की अन्तिम इच्छा थी कि सुरंगा उसके राम मामा को सौंप दिया जाए।
नारदमुनि भला क्या नहीं जानता। मैं तो यह भी जानता हूं कि पांच करोड़ की लूट पूरी होने देने के लिए इं. तलवार ने तांडव से पांच लाख रुपये डकारे थे।
अब खबरें समाप्त होती हैं... नारायण... नारायण...!

अभी राम ने रिसीवर क्रेडिल पर रखा ही था कि–
ट्रिनऽऽऽ
ओह ! कौन आया होगा?

नमस्कार। इं. तलवार ने आपके लिए यह सफेद चूहा भेजा है।
कौन हो तुम ?

इं. तलवार का एक दोस्त।
चींऽऽऽ चींऽऽऽ

उस कथित दोस्त के जाते ही राम ने पिंजरा खोला।
बाहर आ जाओ सुरंगा।

पिंजरे से बाहर निकल कर सुरंगा ने आश्चर्य में डाल देने वाली हरकत की।
अरे... ! यह तो हमें नमस्कार कर रहा है।

भूल गए। काजल बहन ने क्या कहा था कि यह चूहा मुकुल के द्वारा ट्रेंड किया हुआ है
अरे... अरे! वह तो हमारी राइटिंग टेबल पर चढ़ गया है।

अगले क्षण सुरंगा ने एक और हरकत की।

कमाल है राम। वह अपनी पूंछ स्याही में डुबो कर कागज पर कुछ लिख रहा है।
आओ! देखते हैं क्या लिखा है।

मेरे मालिक को बचाओ!
ओह! तो मुकुल ने इसे पूंछ की मदद से लिखना भी सिखाया था। लेकिन इं. तलवार इस समय है कहाँ?

इं. तलवार यहां था।
आओ तलवार, आओ। अरे मल्लागर... तलवार के लिए कुछ ठण्डा-गर्म तो ला। देखता नहीं भगवान के पैर हमारी कुटिया में पड़े हैं।
भगवान ने बारूद ने कदम रखा है। तेरी कुटिया में। जब यह बारूद फटेगा तो तेरे गुनाहों का साम्राज्य जल कर खाक हो जाएगा।

तो मैं क्या करूं?

अरे पता लगा कि अब उसका लॉक कैसे खुलेगा। रकम में से पच्चीस लाख तेरे

चटाक

शैतान की औलाद! मैं यहां अपनी बीवी व बेटी के आंसुओं का हिसाब लेने आया हूं... और तू मुझे पच्चीस लाख की हड्डी डाल रहा है।

कई स्टेनगनें तलवार पर तन गईं।
नहीं... कोई गोली नहीं चलाएगा।

भाई तलवार। कुत्ते को हड्डी ही डाली जाती है, छप्पन भोग नहीं... और फिर तू कब से सुधर गया रे साले रिश्वतखोरसिंह।
तांडव।

रिश्वतखोर बोला तू मुझे, रिश्वतखोर बोला। ले... यह ले।
धड़ाक

जानता है। क्यों लेता हूं मैं रिश्वत? इसलिए कि इसी पैसे की कमी ने बचपन में मुझसे मेरे पिता को छीन लिया था।

और यदि यही कमीनी दौलत मेरे पास होती, तो मेरी मां को दवा के अभाव में तड़प- तड़प कर दम न तोड़ना पड़ता।
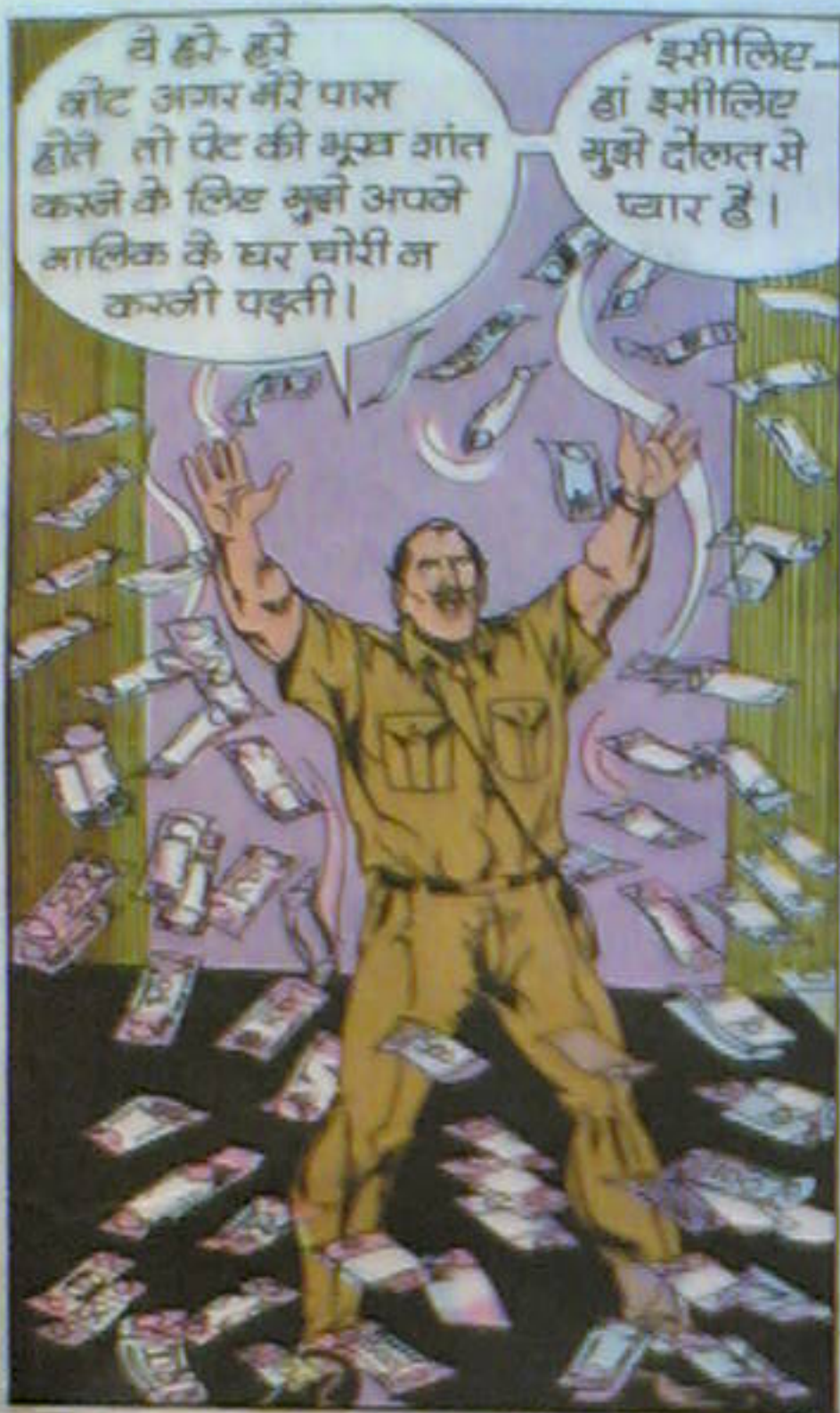
वे हरे-हरे
नोट अगर मेरे पास
होते तो पेट की भूख शांत
करने के लिए मुझे अपने
मालिक के घर चोरी न
करनी पड़ती।
इसीलिए—
हां इसीलिए
मुझे दौलत से
प्यार है।
समझा टकले।
इसीलिए बन गया था
मैं रिश्वतखोर। मगर यह
दौलत बड़ी बेवफा चीज
है तांडव
इसी दौलत
ने आज मुझसे मेरी
बीवी व बच्ची को मुझसे
जुदा कर दिया।

किसी तरह भटनागर व अन्य आदमियों ने तांडव को इ.
तलवार की पकड़ से छुड़वाया।
इसे ले जाकर
डैथरूम में डाल दो। अब
यह कमीना सिसक-
सिसक कर मरेगा।
जी!

मगर भाई जी!
उस वैन का क्या करें,
जिसमें पांच करोड़ की
दौलत फंसी हुई
है।
ऐसा कर...
अपने सारे आदमी
इकट्ठा करके उस वैन
के इर्द-गिर्द बैठा दे।
उनके हाथों में ढोलक
मंजीरे दे दे...
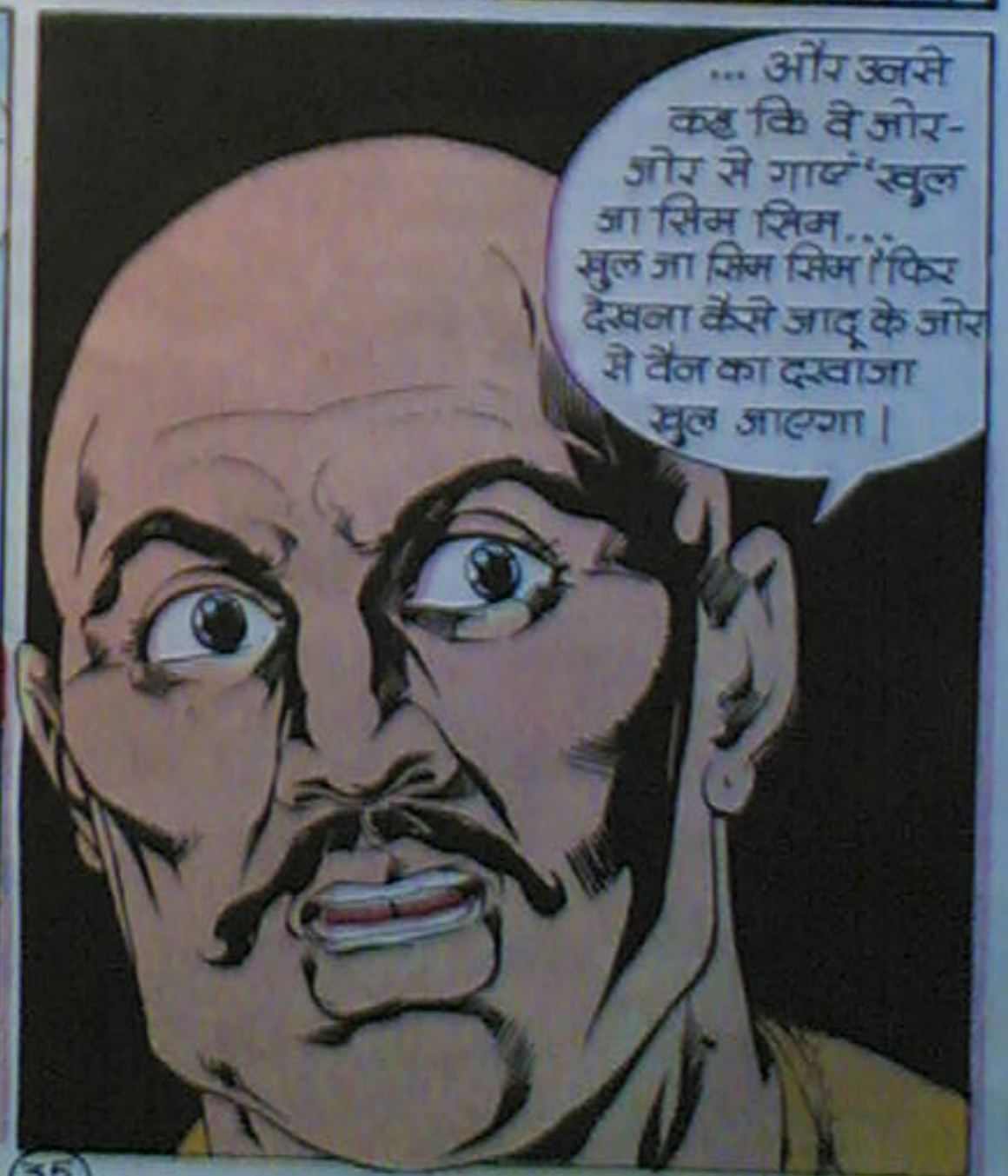
...और उनसे
कह कि वे जोर-
जोर से गाएं 'खुल
जा सिम सिम...
खुल जा सिम सिम'! फिर
देखना कैसे जादू के जोर
से वैन का दरवाजा
खुल जाएगा।

ज... जी।
इस समय मेरी खोपड़ी में तांडव नृत्य हो रहा है भटनागर। तू इस तलवार के बच्चे को लेकर जा। रक्षम के बारे में बाद में बात करेंगे।
भटनागर ने वहां से जाने में ही अपनी भलाई
उधर पुलिस हैडक्वार्टर में-
सॉरी राम! इस मामले में मैं तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकता।
लेकिन सर! इं. तलवार का हमारे हाथ लगना जरूरी है।
इसलिए नहीं कि वह सुकून का पिता है और सुकून से हमें बहुत स्नेह था। बल्कि इसलिए कि आज की तारीख में इं. तलवार ही तांडव के बारे में सबसे ज्यादा राज उगल सकता है।
मैं तुम्हारी बात समझता हूं राम! मगर डॉक्टर्स पहले ही तलवार से खार खाए हुए बैठे हैं। यदि उन्हें पता चल गया कि पुलिस तलवार को बन्दी बनाने की बजाय उसके साथ कोई सहानुभूति दिखा रही है तो वे और भड़क उठेंगे।

और फिर अब तक पूरे राजनगर को मालूम पड़ चुका है कि तलवार कितना बड़ा रिश्वतखोर था।
इसलिए बेहतर होगा कि तुम अपने ही प्रयासों से तलवार का पता लगाओ।

अब क्या करें राम?
अब इं. तलवार का पता सिर्फ एक ही व्यक्ति बता सकता है।

SONOR

अगले क्षण राम की मोटर बाइक हवा से बातें कर रही थी।

इधर इं. तलवार को बैडरूम में कैद करके भटनागर ने अभी अपने घर में कदम रखा ही था कि–

धम

नहीं भटनागर... आवाज नहीं करना। वरना तुम्हारी आवाज बाद में निकलेगी, पहले मेरी गोली तुम्हारे कंठ में धंसेगी।

इं. तलवार कहां है?

उफ!

अगर राजी-राजी पूछोगे तो सब बताऊंगा। जबर्दस्ती कुछ भी नहीं।

ठीक है। राजी-राजी बता।

तलवार इस समय बैडरूम में कैद है। जो शहर के मशहूर 'तांडव होटल' के बेसमेन्ट में बना है। मगर तुम बैडरूम तक पहुंच नहीं सकोगे राम।

क्योंकि डैथरूम एक गोल कुएं जैसा है। जिसकी दीवारें, फर्श व छत एल्युमिनियम की बनी हैं। डैथरूम में ही शौच करने व नहाने के लिए शौचालय व बाथरूम बना हुआ है। डैथरूम में ऑक्सीजन एक पतले पाइप द्वारा पहुंचाई जाती है।
डैथरूम तक पहुंचने के लिए एक लिफ्ट लगी है। लिफ्ट से उतर कर लम्बी गैलरी पार करनी पड़ती है। गैलरी में हर समय दो हथियार बन्द व्यक्ति तैनात रहते हैं।

बस...!
यह सुरक्षा व्यवस्था तुम्हें कम लग रही है। और सुनो, बैंथरूम के नीचे अलार्म वाली तारें बिछी हैं। ताकि कोई नीचे से सुरंग बनाकर बैंथरूम तक न पहुंच सके।
वो तो वैसे भी नहीं पहुंच सकता। क्योंकि बैंथरूम का फर्श जो एल्युमिनियम का बना है।
मगर तुम जैसे खुराफाती तत्वों का कोई भरोसा नहीं।
अच्छा। यह बताओ कि वैन का गार्ड एकाएक कैसे बदल गया।
असली गार्ड को हमने मोटी रकम देकर पटा लिया था। और उसकी जगह उसी के हमशक्ल को गार्ड की जगह लगा दिया था।
यदि तुम हमारे गार्ड को पहचान लेते तो पांच करोड़ की रकम कभी नहीं लुटती।
गलती हो गई। वैसे तुम तो तांडव के दाएं हाथ हो। उसका पता-ठिकाना अच्छी तरह जानते होगे।
देखो राम। मैंने तुम्हें जितनी जानकारी देनी थी, दे दी। अब तुम मुझसे कुछ नहीं उगलवा सकते। और हां, तुम इं. तलवार को बैंथरूम से आजाद करवाने का ख्याल भी अपने दिमाग से निकाल दो।
क्योंकि मैंने तुम्हें बैंथरूम तक पहुंचने व उसमें पड़ने वाली बाधाओं के बारे में इसीलिए बताया है ताकि तुम इसे मेरी तरफ से तांडव का चैलेंज समझो।
अच्छी बात है।

भटनागर से मिल कर राम-रहीम वापस लौट पड़े।
मुझे तुम्हारी वह बातें पसन्द नहीं आई राम। हम चाहते तो उसे टार्चर करके तांडव का ठिकाना पूछ सकते थे।
भटनागर, तांडव का सच्चा सिपहसालार है रहीम। वह मरते मर जाता, मगर अपने 'भाई जी' के खिलाफ एक शब्द नहीं उगलता।
मगर अब भटनागर तांडव से कह कर ई. तलवार के ईर्द-गिर्द घेरा और कसवा देगा।
जुर्म की दुनिया के कुछ उसूल होते हैं रहीम...
...भटनागर ने डैथरूम तक पहुंचने का मार्ग बता कर एक प्रकार से हमें चैलेंज दिया है कि यदि हममें दम-खम हो तो हम ई. तलवार को छुड़ा कर दिखा दें।
अब उन सुरक्षा इन्तजामों में परिवर्तन हमारे साथ चीटिंग होगी। और धोखाधड़ी का काम टटपूंजिए अपराधी करते हैं, तांडव जैसे लोग नहीं।
उसी रात तांडव होटल के पिछवाड़े।
तांडव होटल
बस गटर के रास्ते ही हमें होटल के बेसमेन्ट तक पहुंचना है।
गटर की सीढ़ियां उतर कर दोनों...
...गटर के अंदर चलते हुए वहां आ पहुंचे।
बस, इन्हीं चार-पांच नालियों में से कोई एक नाली है, जो सीधी डैथरूम में स्थित बाथरूम में जाती है। क्योंकि बाथरूम से गन्दा पानी इन्हीं नालियों द्वारा गटर में पहुंचता है

हैंथरून में भले ही जगह-जगह अलार्मयुक्त तार बिछे हैं। मगर बाथरूम की नाली में तार बिछा नहीं होगा। क्योंकि तब उस सूरत में जब भी नाली में पानी बहेगा... अलार्म खामख्वाह ही बज उठेगा।
और खामख्वाह अलार्म बजने वाली बात भला तांडव क्यों पसन्द करेगा। चल सुरंगा... अब तेरा अहम काम शुरू होता है।

अगले क्षण सुरंगा एक नाली में दौड़ता चला गया।
सुरंगा को किसी भी तरह होटल से गटर में मिलने वाली तमाम नालियों में से हैंथरूम के बाथरूम वाली नाली को ढूंढ कर इं. तलवार तक पहुंचना होगा।

एकाएक चौंक पड़ा था इंस्पेक्टर तलवार।
चींssss चींssss
ओह! ये आवाज तो बाथरूम में से आ रही है।

चींsss चींsss
अरे! नाली में कोई चूहा फंसा है।

मुझे नाली पर लगी जाली हटा कर उसे निकालना चाहिए।

जैसे ही इं. तलवार ने नाली पर लगी छोटी सी जाली को हटाया।
अरे सुरंगा! तू यहां?

कागज पर लिखा मजमून इस प्रकार था।

डैथरूम में मेरे साथ-साथ लगभग एक अरब की स्मैक भी पड़ी है। यही मौका है तांडव पर चोट करने का।

तुम्हारी प्रतीक्षा में...
डॉ. तलवार

ओह! अब हमारा जल्द से जल्द डैथरूम तक पहुंचना और भी आवश्यक हो गया है।
लेकिन कैसे?

अगले दिन अलार्म की आवाज ने समूचे होटल को गूंजा दिया था।
वूSSSS ऊSSS
ओह! लगता है डैथरूम में किसी ने प्रवेश किया है

चैक करो... जो भी मिले उसे गोलियों से भून दो।
वूSSS ऊSSS

काफी देर की भागदौड़ के पश्चात।
सर! डैथरूम के साथ कोई छेड़खानी नहीं हुई। हां, एक चूहा जरूर डैथरूम के नीचे बिछी तारों को छू गया था। जिससे अलार्म बज उठा।

ओह...! ठीक है। तुम जा सकते हो।
राइट सर!

उसी दिन दो बार फिर अलार्म बजा।
वूSSS ऊSSS वूSSS ऊSSS
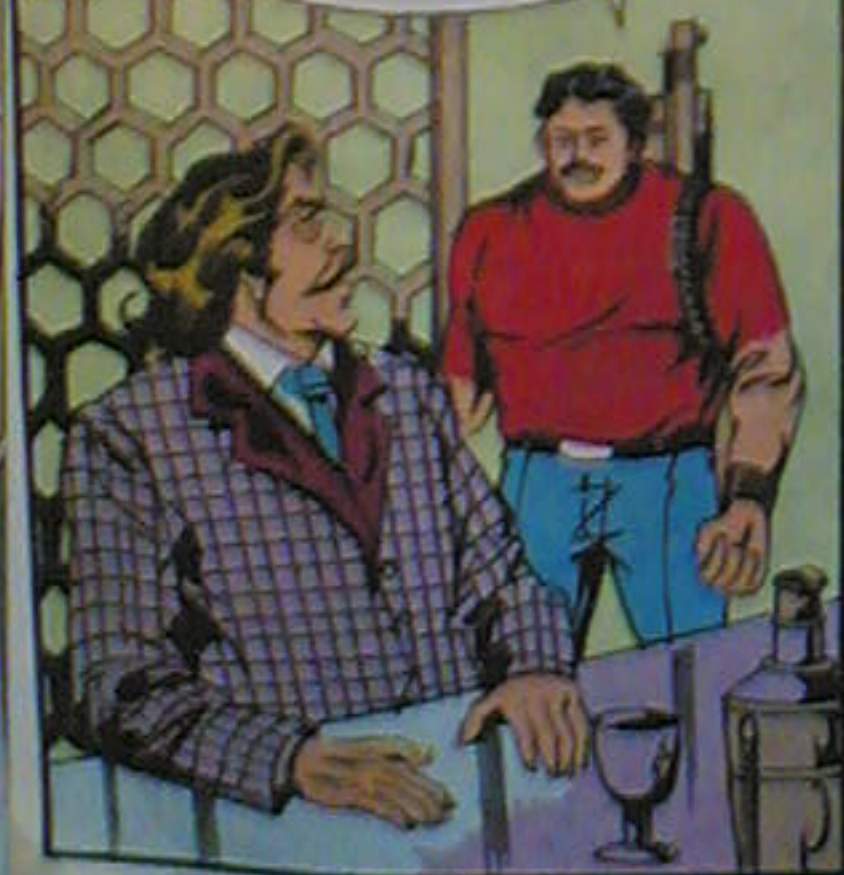
मगर भाग-दौड़ के बाद नतीजा वही निकला।
वही चूहा सर।
क्या राजनगर के सारे चूहे होटल के नीचे ही आ मरे?

सुनो! अलार्म आज रात के लिए बन्द कर दो। क्योंकि मैं नहीं चाहता कि रात को अलार्म की वजह से होटल में अफरा-तफरी मचे।
वैसे भी आज शुक्रवार है। और शुक्रवार को हम ग्राहकों के मनोरंजन के लिए विशेष डांस पेश करते हैं।

उसी रात–
शाबाश सुरंगा। तूने तीन बार अलार्म की तारों को छूकर हमारी योजना का एक हिस्सा पूरा कर दिया। अब तुम आराम से घर बैठना।
हम इं. तलवार को लेकर आ रहे हैं।

तब किसी भी ग्राहक को अपनी मनपसन्द का मुखौटा पहन कर डान्स करने की छूट होती थी।
दम मारो दम... मिट जाए गम...
बोलो सुबह शाम... हरे कृष्णा हरे राम...

दरबान की नजरों से बचते हुए हम होटल में तो प्रवेश कर गए राम।
अब तुम यहीं पर नाचते हुए सब पर नजर रखना। मैं चला।

नाचते हुए राम चुपके से भीड़ में से खिसक गया।
दम मारो दम... मिट जाए गमऽऽऽ
बोलो सुबह शाम... हरे कृष्णा हरे रामऽऽऽ

यही लिफ्ट मुझे नीचे बेसमेन्ट तक पहुंचाएगी।

लिफ्ट के निकट खड़ा एकमात्र हथियारबन्द आदमी राज की फौलादी बांह में छटपटा उठा।

ऊपर मौजूद किसी व्यक्ति की तवज्जो लिफ्ट की तरफ जा सकती है। और वह लिफ्ट को ऊपर न पाकर हंगामा खड़ा कर सकता है।

इसलिए मुझे फौरन से भी पेश्तर इस तलवार को छुड़ा कर लिफ्ट समेत वापस ऊपर पहुंचना है।

लिफ्ट होटल के नीचे बेसमेन्ट में आकर रुक गई।
अब मुझे बेसमेन्ट से डैथरूम तक जो गैलरी है उसे पहरेदारों की नजर बचा कर पार करना है।

और इसके लिए मैं पहले से ही पूरी तैयारी के साथ आया हूं।

कुछ देर उपरान्त राज वैक्यूमयुक्त दस्तानों व जूतों की मदद से गैलरी की छत पर छिपकली की भांति उल्टा चिपक कर आगे बढ़ रहा था।
यदि दोनों पहरेदारों में से किसी की नजर मुझ पर पड़ गई तो गड़बड़ हो जाएगी।

पांच दिन से पहरा देते-देते बोर हो गए यार शंटा।
तू ठीक कह रहा है फंटा। भाई जी ने डैथरूम के इतने कड़े सुरक्षा इन्तजाम कर रखे हैं कि यहां परिन्दी भी पर नहीं मार सकती।
जब भी बोलेगा... गलत ही बोलेगा। परिन्दी नहीं, परिन्दा भी पर नहीं मार सकता।
सॉरी... सॉरी! और फिर परिन्दे को उड़ने के लिए खुला आसमान चाहिए। यहां आसमान कहां है।
वहां तो छत... छ... छ...
क्या हुआ शंटा? तू छत की तरफ देख कर एकाएक बौखला क्यों गया?
प... परिन्दा... म... मेरा मतलब आदमी।
ओह! कोई छत के रास्ते डैथरूम की तरफ बढ़ रहा है।
राज भी खतरा भांप चुका था।
सत्यानाश! आखिर वही हुआ। जिसका मुझे डर था।
इधर शंटा-फंटा की स्टेनगनें दहाड़ीं।
इधर राज ने छत से नीचे जम्प लगाई।

झंग-फंग की स्टेनगनों से निकली गोलियां छत में धंस कर शहीद हो गईं।

इधर राम ने बिजली की सी फुर्ती दिखाते हुए झंग-फंग को शूट कर दिया।
धांय धांय

अगले क्षण उसने अपनी शर्ट से बटननुमा छोटा, मगर शक्तिशाली बम तोड़ा।

और बैंककक्ष के दरवाजे पर दे मारा।
धड़ाम

मुझे मालूम है कि भटनागर अलार्म पहले ही बन्द करवा चुका है। इसलिए दरवाजा टूटने से अलार्म बजने वाला नहीं है।

राम!
ई. तलवार! अब तुम आजाद हो। मगर जाने से पहले हमें डैथरूम में रखी यह एक अरब की स्मैक जरूर नष्ट करनी है।
ताकि तांडव इस करारी शिकस्त से बौखला जाए।
एक अरब के उस जहरीले पदार्थ को आग के हवाले करके दोनों डैथरूम से बाहर आये!
तभी उनके पैर अंधेरी गैलरी के फर्श से चिपक गए!
भ... भटनागर!
इस गैलरी तक पहुंचने का एक रास्ता और भी था। जिसके बारे में मैंने तुम्हें नहीं बताया था। क्या समझते हो तुम अपने आपको? इतनी आसानी से तलवार को छुड़ा ले जाओगे।
क्या समझा था तूमने कि अलार्म बन्द करके मैं चुप बैठ जाऊंगा? मुझे तो पहले ही शक था कि बार-बार अलार्म बजने के पीछे अवश्य तुम्हारा खुराफाती दिमाग काम कर रहा है।
अब तुम्हें जीवित छोड़ने का मेरा कोई इरादा नहीं।

इससे पहले कि भटनागर के आदमी राम व तलवार को गोलियों से भून देते।

सैकड़ों गोलियों ने उनके जिस्म छलनी कर दिए।

रहीम!
यस माई डियर। मैं हॉल से ही भटनागर के पीछे-पीछे लगा था। शुक्र है, उनकी निगाह मुझ पर नहीं पड़ी।

देर-सवेर डेथरूम में लगी आग ऊपर तक अवश्य पहुंचेगी। उससे पहले ही हमें होटल से निकल जाना है। लो तलवार, तुम भी यह मुखौटा पहन लो।

तीनों लिफ्ट में सवार होकर होटल के बेसमेंट से ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे।
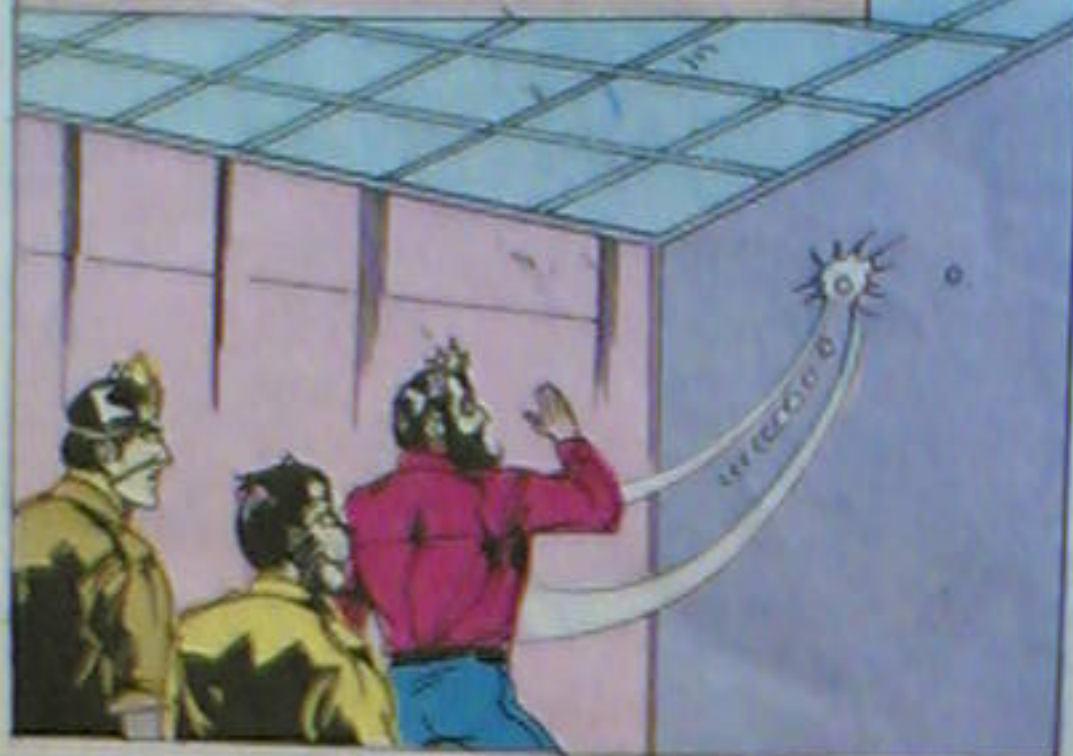
फिर कोई टेप संचालक रहीम ने अपनी शर्ट में लगा बटन सामने वाली दीवार पर दे मारा।
तीव्र विस्फोट के साथ दीवार ढह गई।।
धड़ाम
होटल में भगदड़ मच गई।
आऽऽऽऽऽ
बम फट गया... भागोऽऽऽ
बम विस्फोट के आतंक ने लोगों को मुखौटे उतारने का भी समय नहीं दिया था।
इसी भगदड़ का लाभ उठा कर राम-रहीम व तलवार होटल से बाहर निकल आए।
अब यहां एक पल भी गंवाना व्यर्थ है रहीम। फौरन मोटर बाइक स्टार्ट करो।
कुछ ही क्षणों में उनकी मोटर बाइक हवा से बातें कर रही थी।
हुर्रेऽऽऽ हम जीत गए।
अब हमें इन मुखौटों की कोई जरूरत नहीं।
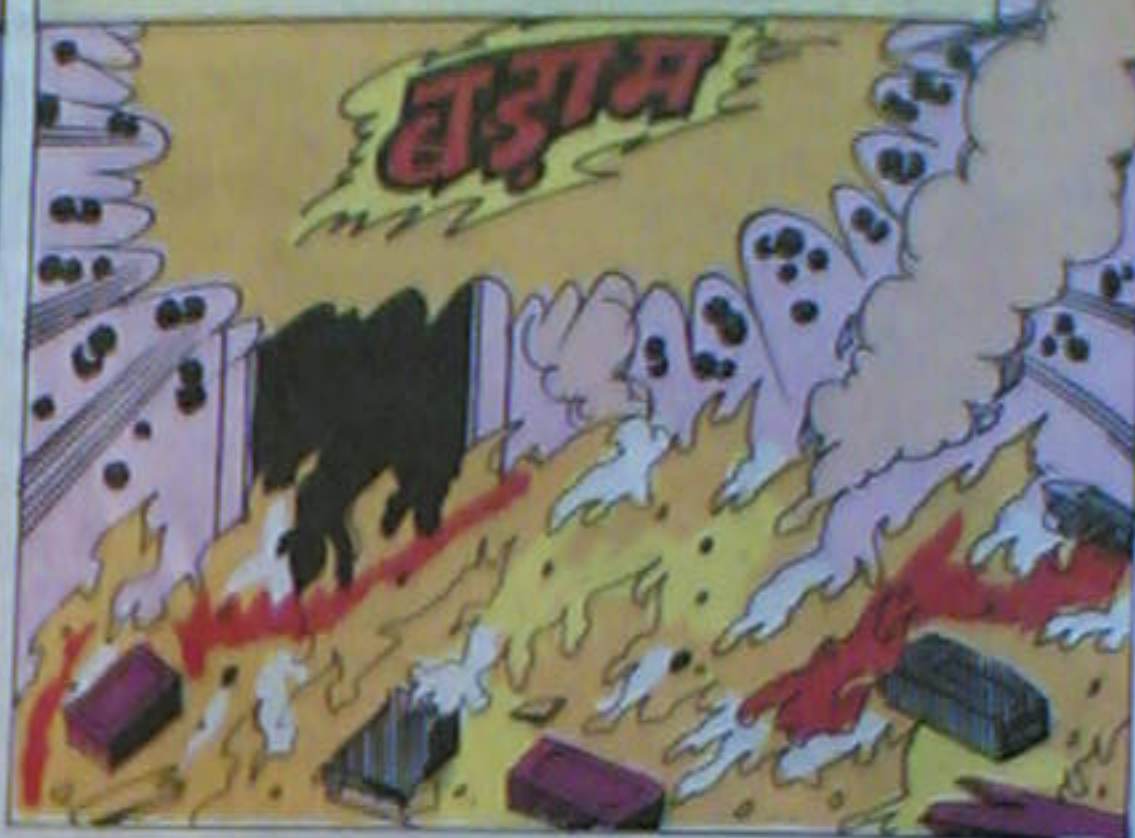
और यह खबर तांडव को मिल चुकी थी।

हमें एक अरब की स्मैक फुंक जाने का इतना दुख नहीं है, जितना इस बात का कि वे दोनों छोकरे ई-तलवार को हमारी नाक के नीचे से छुड़ा ले गए।

भटनागर की मौत के बाद अब मेरा बायां हाथ बाकी तुम बचे हो नवरंग। याद रखो... दौलत रहे न रहे। मगर मार्केट में हमारी साख बनी रहनी चाहिए।

जी भाई जी।

हमारी कुर्सी पर अण्डरवर्ल्ड के कई लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं। यदि मार्केट में हमारी साख गिर गई तो कल राजनगर का हर टटपुंजिया दादा हमें आंखें दिखाने लगेगा।
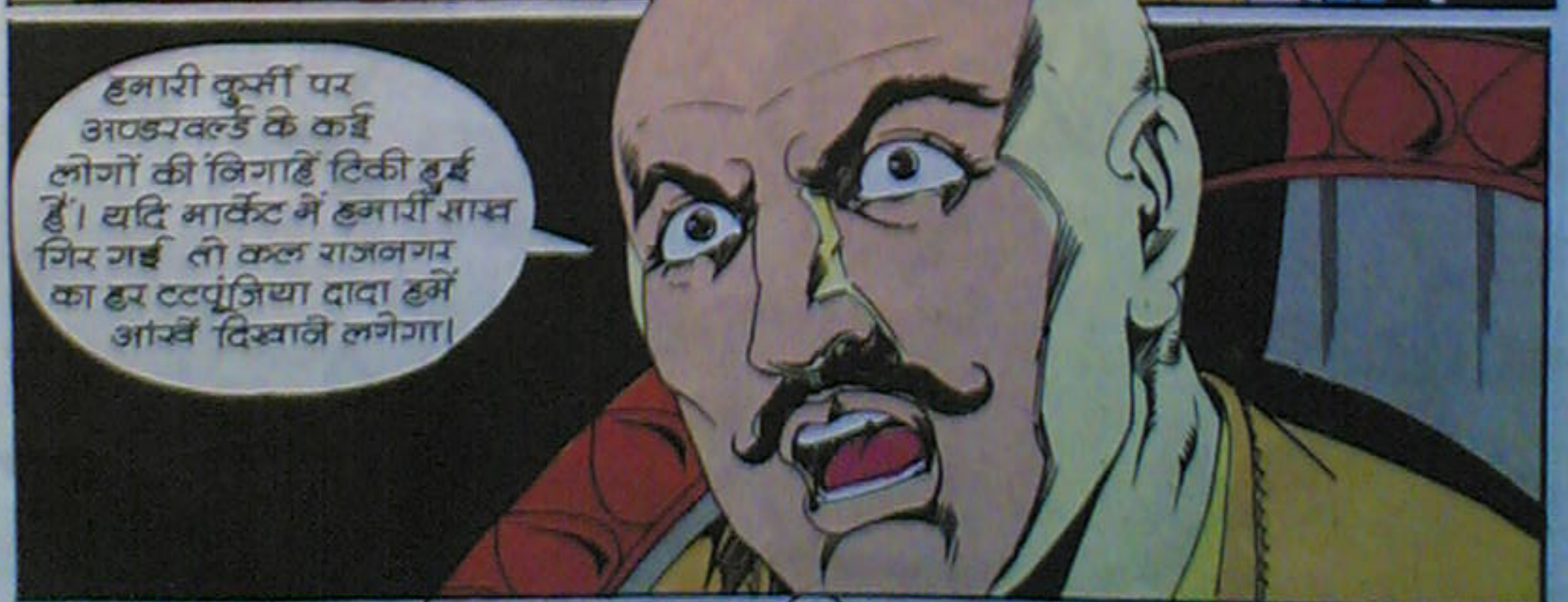
भाई जी! हमें राजनगर अण्डरवर्ल्ड की अपराध बिरादरी की मीटिंग बुलानी चाहिए और उनके सामने इं. तलवार वाले केस पर चर्चा करनी चाहिए।
ये तो अच्छा बोला तू। यही कर नवरंग, फौरन कर।
इधर राम के घर पर।
नहीं राम! मैं तुम्हें तांडव का ठिकाना नहीं बताऊंगा... किसी भी हालत में नहीं।
मगर क्यों?
क्योंकि उसे तुम नहीं, मैं मारूंगा। मुझे लेना है उससे अपनी बीवी व बच्ची की मौत का बदला।
अब क्या करें राम?
फिलहाल इं.तलवार प्रतिशोध की आग में धधक रहा है। इसलिए हमें सही समय का इन्तजार करना चाहिए।
कुल छः प्राणी मौजूद थे इस हॉल में। सब के सब राजनगर के टॉप के दादा।
जिन्हें राजनगर अण्डरवर्ल्ड की 'अपराध बिरादरी' कहा जाता था।
जयचन्द
सलीम पेन्टर
वेणु दासवानी
महन्तराव
ठुमरी

और खुद तांडव... जो आज की तारीख में राजनगर अण्डरवर्ल्ड की कुर्सी पर विराजमान था।
राम-राम साईं।
हमें क्यों याद फरमाया तांडव साहब?
अब तक की जो कहानी है वह तो तुम्हें मालूम पड़ ही चुकी है। हम यहां इं. तलवार की जिन्दगी व मौत का फैसला करने के लिए इकट्ठे हुए हैं।
मगर साईं! इं. तलवार से लड़ाई तो तूने शुरू की है जी। फिर तू हमकू काये कू लफड़े में घसीट रहा है? बोल जी?
बात तो दासवाभी ही पते की कही है।
बेशक। तलवार से लड़ाई सिर्फ मेरी है। मगर मत भूलो कि हम अपराध बिरादरी के छः स्तम्भ हैं। यदि एक भी स्तम्भ टूट गया तो यह अपराध बिरादरी टूट जाएगी।
तांडव साहब ठीक कह रहे हैं... और मत भूलो कि इं. तलवार चोट खाया हुआ नाग है। जो कल हमें भी डसने की कोशिश कर सकता है।
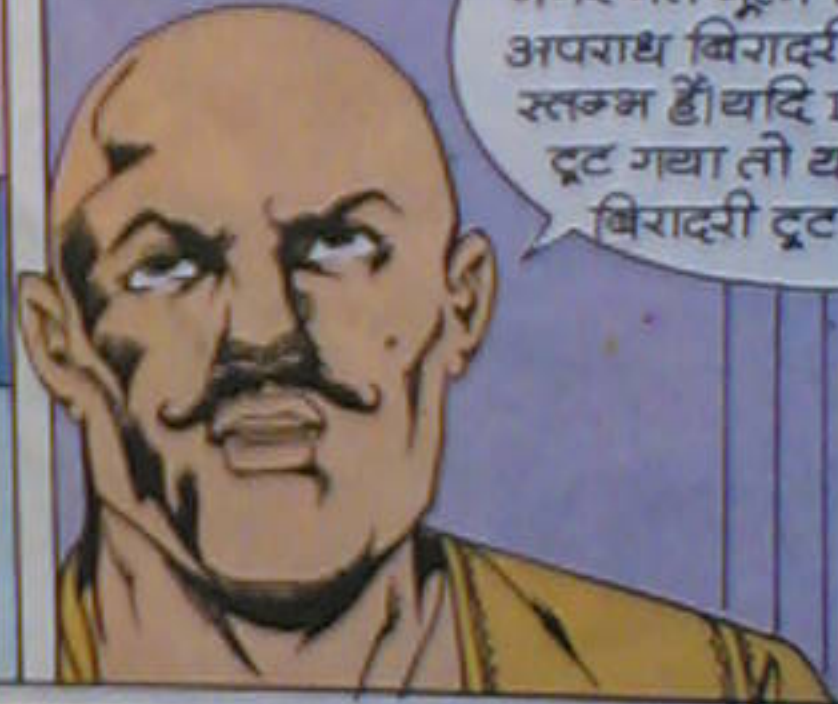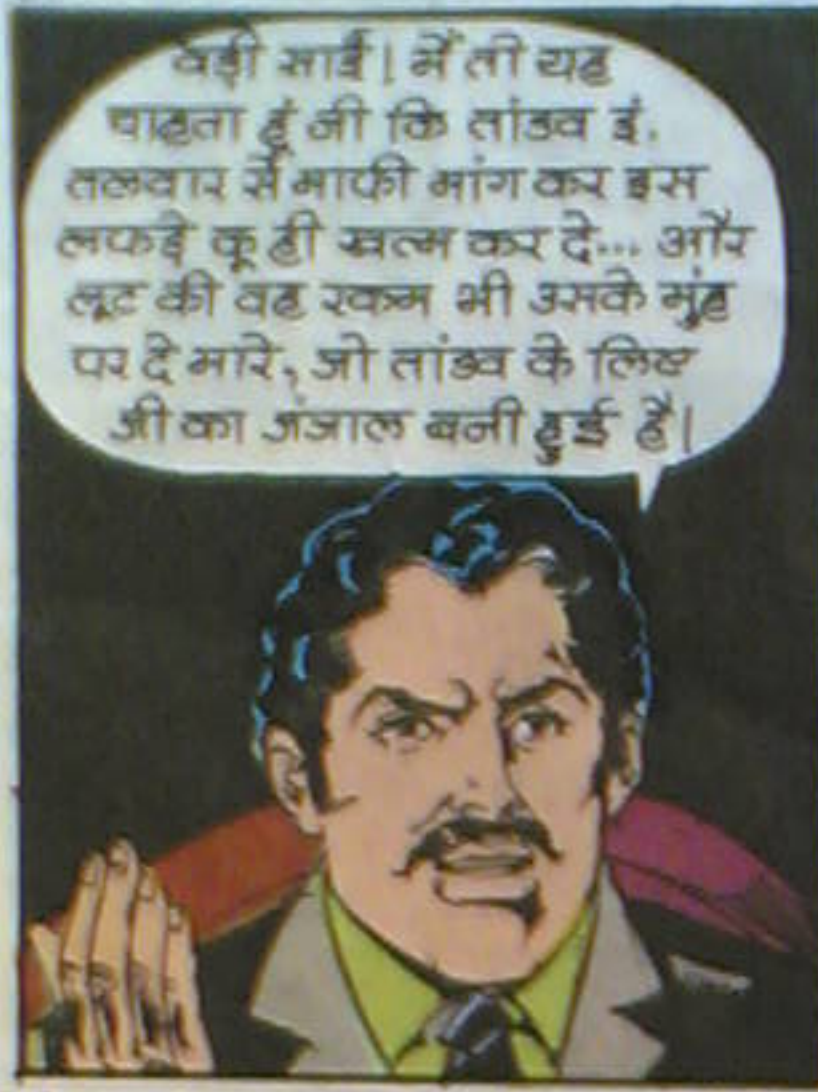
बड़ी साईं। मैं तो यह चाहता हूं जी कि तांडव इं. तलवार से माफी मांग कर इस लफड़े कू ही खत्म कर दे... और लूट की वह रकम भी उसके मुंह पर दे मारे, जो तांडव के लिए जी का जंजाल बनी हुई है।

दासवानी। मैं तेरा खून पी जाऊंगा।

एक मिनट तांडव साहब। मुझे दासवानी की बात पसन्द आई। जो इसने कहा है वही करो।

ओह! वे लोग तो ई. तलवार को मार डालने की योजना बना रहे हैं मेरी बच्ची।
ई. तलवार तो सुकुल के पापा हैं मॉम। अब क्या करें ?
तू किसी भी तरह छुप कर राम-रहीम के पास पहुंच जा और उन्हें सारी बात बता दे।
ठीक है मॉम।
किसी तरह एलिस राम तक पहुंची
तो तुम्हारा नाम एलिस है और तुम सुकुल की क्लास फैलो हो।
हां राम भइया! मैं बड़ी मुश्किल से उस राक्षस की कोठी से छुपती-छुपाती आई हूं।
मेरी मां तांडव की कोठी में हाउस कीपर का काम करती है। कोठी में मौजूद प्रत्येक नौकर एक प्रकार से तांडव का बन्दी है। हम सब उस राक्षस से आजादी चाहते हैं, राम भइया।
तुम्हें आजादी मिलेगी एलिस, जरूर मिलेगी... और उस राक्षस का खात्मा भी होगा।
अब तुम वापस लौट जाओ एलिस। यदि उस राक्षस को पता चल गया तो भारी गड़बड़ हो जाएगी।
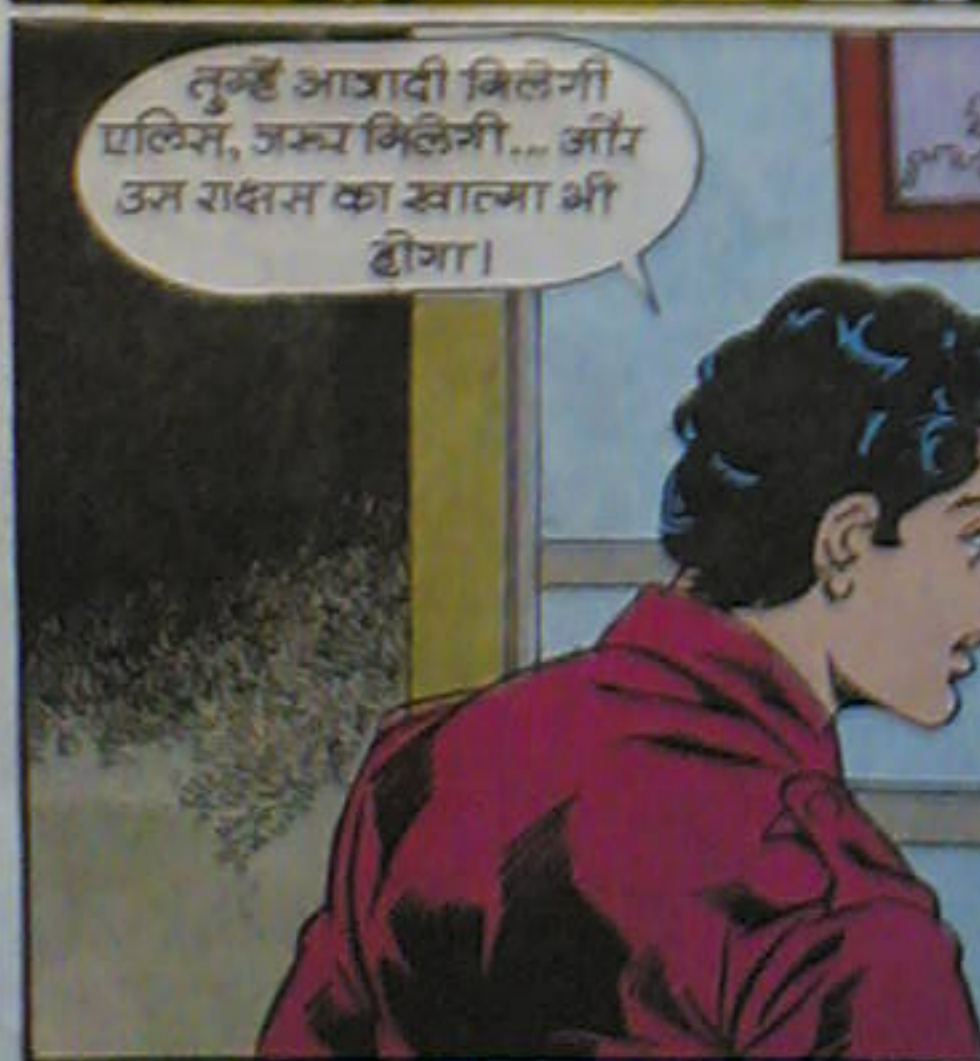
उसी रात–
हैलो तांडव स्पीकिंग।
तेरा बाप बोल रहा हूं। नींद नहीं आ रही न। आएगी भी कैसे। अब तो तुझे बहुत लम्बी नींद सोना है।
जानता हूं इं. तलवार कि तूने मुझे करारी शिकस्त दी है। इसलिए मैं तुमसे समझौता करना चाहता हूं।
कैसा समझौता?
मैं तुमसे सबके सामने माफी मांग कर तुझे वह पांच करोड़ की रकम वैन समेत वापस लौटाना चाहता हूं। बदले में तुमसे वचन चाहता हूं कि तेरी गाज अण्डरवर्ल्ड पर नहीं गिरेगी।
फिर तांडव उसे अपनी जन्मदिन की पार्टी की बाबत सब कुछ बताता चला गया।
ओ.के.! मैं कल आ रहा हूं तांडव।
आ तो सही प्यारे। मैं केक की जगह तुझे काटने के लिए तैयार बैठा हूं।
इधर इं. तलवार भी कुछ यही सोच रहा था।
तू चाहे माफी मांग या न मांग। मैं तुझे सिर्फ और सिर्फ मौत देने आ रहा हूं तांडव।